# पाठ -1 हरिहर काका

## लेखक – श्री मिथिलेश्वर

LIVEWORKSHEETS

प्रस्तुत कहानी लेखक [ कथावाचक ] के गाँव की कहानी है | इस कहानी के प्रमुख पात्र हरिहर काका है | लेखक ने इस कहानी के माध्यम से धर्म के नाम पर होने वाले अपराध, मनुष्यों में पनप रहे स्वार्थ और उनके लालची स्वभाव को उजागर किया है |

LIVEWORKSHEETS

लेखक हरिहर काका का बहुत सम्मान करते हैं | हरिहर काका उनके  पड़ोसी हैं | एक पिता अपने बच्चे से जितना प्यार करता है, उससे कहीं ज़्यादा प्यार हरिहर काका लेखक से करते थे | लेखक की पहली दोस्ती हरिहर काका से ही हुई | काका लेखक से कोई भी बात नहीं छिपाते थे | खूब बातें करते थे | लेकिन कुछ दिनों से काका ने लेखक से भी बात करना बंद कर दिया | वे परेशान, उदास और दुखी थे |

हरिहर काका की इस स्थिति का कारण जानने के लिए उनके गाँव का परिचय देना आवश्यक है |

LIVEWORKSHEETS

गाँव की कुल आबादी ढाई –तीन हज़ार होगी | गाँव में तीन प्रमुख स्थान हैं -
गाँव के पश्चिम किनारे बड़ा सा तालाब, मध्य स्थित बरगद का पेड़, पूरब में ठाकुर जी का विशाल मंदिर, जिसे गाँव के लोग ठाकुरबारी कहते हैं |

LIVEWORKSHEETS

ठाकुरबारी की स्थापना के संबंध में कहानी प्रचलित है कि कहीं से एक संत आकर इस स्थान पर झोपड़ी बनाकर रहने लगे | वे सुबह – शाम यहाँ ठाकुर जी की पूजा करते थे, लोगों से माँगकर खा लेते थे | बाद में लोगों ने चंदा करके यहाँ छोटा सा मंदिर बनवा दिया | जैसे – जैसे आबादी बढ़ती गई लोगों की श्रद्‌धा भी बढ़ती गई | किसी के यहाँ बेटा हो, शादी हो, नौकरी मिले, कोई भी शुभ काम हो लोग ठाकुरजी पर रुपये, जेवर, अनाज चढ़ाते | अच्छी फसल होने पर खेत का छोटा सा टुकड़ा ठाकुर जी के नाम लिख देते | इस तरह ठाकुर बारी के नाम २० बीघा खेत हो गए |

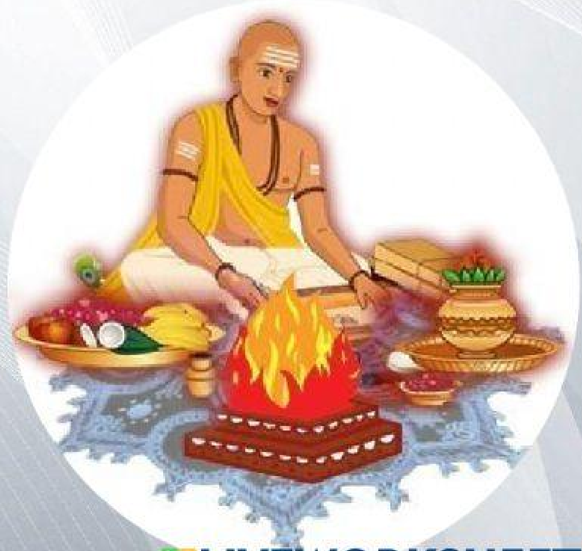

LIVEWORKSHEETS

लोगों के इसी विश्वास के परिणाम स्वरूप अब यह गाँव की सबसे बड़ी ठाकुरबारी है | इसके नाम पर बीस बीघे खेत है | धार्मिक लोगों की एक समिति है, इसकी देख - रेख और संचालन के लिए प्रत्येक तीन साल पर एक महंत और एक पुजारी की नियुक्ति की जाती है |

LIVEWORKSHEETS

हरिहर काका का संयुक्त परिवार है | हरिहर काका चार भाई थे.| सबकी शादी हो चुकी थी, बाल- बच्चे थे | काका की अपनी कोई संतान नहीं थी | औलाद के लिए उन्होंने दो शादियाँ की | लेकिन उनकी दोनों पत्नियाँ स्वर्ग सिधार गईं | काका अपने परिवार के साथ रहते हैं | काका के परिवार के पास कुल 60 बीघे खेत थे | प्रत्येक भाई के हिस्से 15 बीघे पड़ें | ये लोग खेती का काम करते थे |

LIVEWORKSHEETS

## समझ की परख

१.पाठ के लेखक का नाम ---

क. श्री मिथिलेश्वर   ख. प्रहल्लाद अग्रवाल   ग.सीताराम सेकसरिया

२. हरिहर काका किस विधा में लिखा गया है ?

क. व्यंग्य शैली   ख. नाटक विधा   ग. कहानी विधा

३. हरिहर काका लेखक को अपनी सब बातें क्यों बताते थे ?

क. दोनों एक घर में रहते थे   ख. उनमें पिता-पुत्र जैसे संबंध थे
ग. लेखक ने उन्हें कहा था ।

LIVEWORKSHEETS

४. गाँव की आबादी कितनी थी ?

क. तीन हज़ार     ख. ढाई- तीन हज़ार     ग.पाँच हज़ार

५. गाँव में तीन प्रमुख स्थान हैं -

क. मंदिर , गाँव , खेत

ख. तालाब, मध्य स्थित बरगद का पेड़, पूरब में ठाकुर जी का विशाल मंदिर

ग. घर , पेड़ , मंदिर

LIVEWORKSHEETS